CD–2094

B. A. (Part I) EXAMINATION, 2020

(Old Course)

HINDI LITERATURE

Paper Second

(हिन्दी कथा साहित्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 24

(क) "रुदन में कितना उल्लास, कितनी शांति, कितना बल है। जो कभी एकांत में बैठकर किसी की स्मृति, किसी के वियोग में सिसक-सिसककर और बिलख-बिलखकर नहीं रोया, वह जीवन के ऐसे सुख से वंचित है जिस पर सैकड़ों हँसियाँ न्योछावर हैं। हँसी के बाद मन खिन्न हो जाता है, आत्मा क्षुब्ध हो जाती है। रुदन के पश्चात् एक नवीन स्फूर्ति, एक नवीन जीवन, एक नवीन उत्साह का अनुभव होता है।"

अथवा

"लज्जा ने सदैव वीरों को परास्त किया है, जो काल से भी नहीं डरते, वे भी लज्जा के सामने, खड़े होने की हिम्मत नहीं करते। आग में कूद जाना, तलवार के सामने खड़ा हो जाना, उसकी अपेक्षा कहीं सहज है। लाज की रक्षा के लिए बड़े-बड़े राज्य मिट गये हैं, रक्त की नदियाँ बह गई हैं। प्राणों की होली खेल डाली गई है।"

(ख) "विचित्र जीवन था इनका! घर में मिट्टी के दो-चार बर्तनों के सिवा कोई भी सम्पत्ति नहीं। फटे चिथड़ों से अपनी नग्नता को ढाँके हुए जीये जाते थे। संसार की चिंताओं से मुक्त। कर्ज से लदे हुए। गालियाँ भी खाते, मार भी खाते, मगर कोई गम नहीं। दीन इतने कि वसूली की बिल्कुल आशा न रहने पर भी लोग इन्हें कुछ न कुछ कर्ज दे देते थे।"

अथवा

"सिरचन जाति का कारीगर है। मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है। एक-एक मोथी और पोर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुच्ची बनाता। फिर कुच्चियों को रंगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त...... काम करते समय उसकी तन्मयता में जरा भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुफकार उठता।"

(ग) "मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँख में छल-छल आँसू बहने लगे। दुपट्टे से बार-बार उन्हें पोंछती, पर वे बार-बार उमड़ आते, जैसे वर्षों का बाँध तोड़कर उमड़ आये हों। माँ ने बहुतेरा दिल को समझाया, हाथ जोड़े, भगवान का नाम लिया, बेटे के चिरायु होने की प्रार्थना की। बार-बार आँखें बंद कीं, मगर आँसू बरसात के पानी की तरह जैसे थमने में ही न आते थे।"

अथवा

"जगहँसाई से मैं नहीं डरती देवर! जब मैं चौदह की थी, तब तेरा भैया मुझे गाँव में देख गया था। तू उसके साथ तेल पिया लट्ठ लेकर मुझे लेने आया था न, तब मैं आई थी कि नहीं ? तू सोचता है कि गदल की उमर गई, अब उसे खसम की क्या जरूरत ?"

2. 'रमानाथ' अथवा 'रंजन' की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 12

3. कहानी तत्वों के आधार पर 'ठेस' अथवा 'मलबे का मालिक' कहानी की समीक्षा कीजिए। 12

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए : 12

(क) 'कफन' कहानी की उद्देश्य

(ख) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' का जीवन परिचय

(ग) शिवानी की कहानी कला

(घ) 'गदल' का चरित्र

(ङ) 'गबन' का रचना उद्देश्य

(च) हिन्दी कहानी का विकास

(छ) कहानी और उपन्यास में अन्तर

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 15

(i) 'जोहरा' का सम्बन्ध किस रचना से है ?

(ii) 'गबन' में रमानाथ को किस भाग में नौकरी मिली है ?

(iii) माधव की पत्नी का नाम लिखिए।

(iv) पाठ्यक्रम में संकलित आंचलिक कहानी का शीर्षक लिखिए।

(v) 'परदा' कहानी के रचनाकार कौन हैं ?

(vi) प्रेमचन्द का जन्म किस गाँव में हुआ था ?

(vii) चम्पा किस कहानी की नायिका है ?

(viii) भीष्म साहनी द्वारा लिखित कहानी कौन-सी है ?

(ix) 'गबन' की प्रमुख समस्या क्या है ?

(x) हिन्दी का पहला उपन्यास किसे माना गया है ?

(xi) 'मलबे का मालिक' किसकी रचना है ?

(xii) हिन्दी की पहली मौलिक कहानी किसे माना गया है ?

(xiii) 'चीफ की दावत' कहानी के प्रमुख पात्र का नाम लिखिए।

(xiv) प्रेमचंद का प्रमुख उपन्यास कौन-सा है ?

(xv) 'हंस' पत्रिका का प्रकाशन किसने किया था ?

(xvi) जयशंकर प्रसाद की कौन-सी कहानी आपके पाठ्यक्रम में है ?

(xvii) 'गदल' कहानी के रचनाकार कौन हैं ?

(xviii) फणीश्वरनाथ 'रेणु' किस तरह के उपन्यासकार हैं ?

(xix) 'आकाशदीप' किसकी रचना है ?

(xx) जालपा के पति का नाम लिखिए।